March past in March 2024

DPBS College Departments

PRINCIPAL NOTE- 1 March 2024

Save Environment-Save Earth

Following International days will be celebrated globally as well as in dpbs college by the department aligned respectively in March.

1- World Wildlife Day on 03-03 2024 : Department of Physics

2- World Butterfly Day on 14-03-2024 : Department of Drawing and Arts

3- World Sparrow Day on 20-03-2024 : Department of B.Ed.

4- International Forest Day 21-03-2024 : Department of Sanskrit

All heads of departments will take spurt initiative to make all arrangements needed.

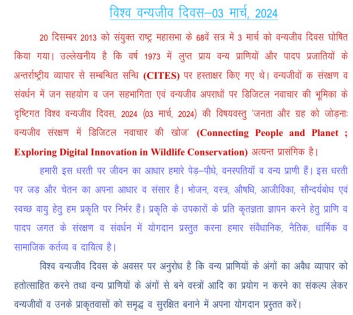

विश्व वन्यजीव दिवस–03 मार्च, 2024

20 दिसम्बर 2013 को संयुक्त राष्ट्र महासभा के 68वें सत्र में 3 मार्च को वन्यजीव दिवस घोषित किया गया। उल्लेखनीय है कि वर्ष 1973 में लुप्त प्राय वन्य प्राणियों और पादप प्रजातियों के अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार से सम्बन्धित सन्धि **(CITES)** पर हस्ताक्षर किए गए थे। वन्यजीवों क संरक्षण व संवर्धन में जन सहयोग व जन सहभागिता एवं वन्यजीव अपराधों पर डिजिटल नवाचार की भूमिका के दृष्टिगत विश्व वन्यजीव दिवस, 2024 (03 मार्च, 2024) की विषयवस्तु 'जनता और ग्रह को जोड़नाः वन्यजीव संरक्षण में डिजिटल नवाचार की खोज' **(Connecting People and Planet ; Exploring Digital Innovation in Wildlife Conservation)** अत्यन्त प्रासंगिक है।

हमारी इस धरती पर जीवन का आधार हमारे पेड़–पौधे, वनस्पतियॉ व वन्य प्राणी हैं। इस धरती पर जड़ और चेतन का अपना आधार व संसार है। भोजन, वस्त्र, औषधि, आजीविका, सौन्दर्यबोध एवं स्वच्छ वायु हेतु हम प्रकृति पर निर्भर हैं। प्रकृति के उपकारों के प्रति कृतज्ञता ज्ञापन करने हेतु प्राणि व पादप जगत के संरक्षण व संवर्धन में योगदान प्रस्तुत करना हमार संवैधानिक, नैतिक, धार्मिक व सामाजिक कर्तव्य व दायित्व है।

विश्व वन्यजीव दिवस के अवसर पर अनुरोध है कि वन्य प्राणियों के अंगों का अवैध व्यापार को हतोत्साहित करने तथा वन्य प्राणियों के अंगों से बने वस्त्रों आदि का प्रयोग न करने का संकल्प लेकर वन्यजीवों व उनके प्राकृतवासों को समृद्ध व सुरक्षित बनाने में अपना योगदान प्रस्तुत करें।

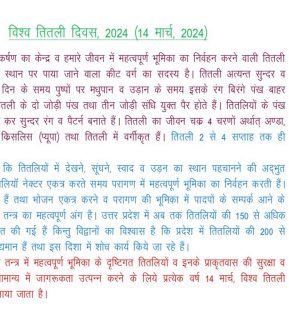

विश्व तितली दिवस, 2024 (14 मार्च, 2024)

बच्चों के आकर्षण का केन्द्र व हमारे जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करने वाली तितली सामान्य रूप से हर स्थान पर पाया जाने वाला कीट वर्ग का सदस्य है। तितली अत्यन्त सुन्दर व मनमोहक होती है। दिन के समय पुष्पों पर मधुपान व उड़ान के समय इसके रंग बिरंगे पंख बाहर दिखाई पड़ते हैं। तितली के दो जोड़ी पंख तथा तीन जोड़ी संधि युक्त पैर होते हैं। तितलियों के पंख प्रकाश को परावर्तित कर सुन्दर रंग व पैटर्न बनाते हैं। तितली का जीवन चक्र 4 चरणों अर्थात् अण्डा, कैटरपिलर (लार्वा), किसलिस (प्यूपा) तथा तितली में वर्गीकृत हैं। तितली 2 से 4 सप्ताह तक ही जीवित रहती है।

दिलचस्प है कि तितलियों में देखने, सूंघने, स्वाद व उड़न का स्थान पहचानने की अद्भुत क्षमता होती है। तितलियॉ नेक्टर एकत्र करते समय परागण में महत्वपूर्ण भूमिका का निर्वहन करती हैं। तितलियॉ शाकाहारी हैं तथा भोजन एकत्र करने व परागण की भूमिका में पादपों के सम्पर्क आने के कारण पारिस्थितिकी तन्त्र का महत्वपूर्ण अंग है। उत्तर प्रदेश में अब तक तितलियों की 150 से अधिक प्रजातियाँ अभिलिखित की गई हैं किन्तु विद्वानों का विश्वास है कि प्रदेश में तितलियों की 200 से अधिक प्रजातियॉ विद्यमान हैं तथा इस दिशा में शोध कार्य किये जा रहे हैं।

पारिस्थितिकी तन्त्र में महत्वपूर्ण भूमिका के दृष्टिगत तितलियों व इनके प्राकृतवास की सुरक्षा व विस्तार हेतु जन सामान्य में जागरूकता उत्पन्न करने के लिये प्रत्येक वर्ष 14 मार्च, विश्व तितली दिवस के रूप में मनाया जाता है।

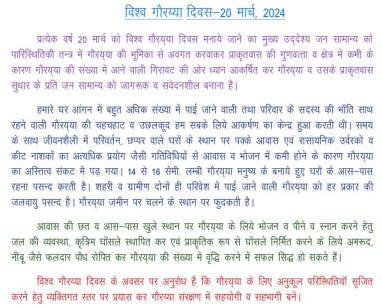

विश्व गौरय्या दिवस–20 मार्च, 2024

प्रत्येक वर्ष 20 मार्च को विश्व गौरय्या दिवस मनाये जाने का मुख्य उद्देश्य जन सामान्य को पारिस्थितिकी तन्त्र में गौरय्या की भूमिका से अवगत करवाकर प्राकृतवास की गुणवत्ता व क्षेत्र में कमी के कारण गौरय्या की संख्या में आने वाली गिरावट की ओर ध्यान आकर्षित कर गौरय्या व उसके प्राकृतवास सुधार के प्रति जन सामान्य को जागरूक व संवेदनशील बनाना है।

हमारे घर आंगन में बहुत अधिक संख्या में पाई जाने वाली तथा परिवार के सदस्य की भॉति साथ रहने वाली गौरय्या की चहचहाट व उछलकूद हम सबके लिये आकर्षण का केन्द्र हुआ करती थी। समय के साथ जीवनशैली में परिवर्तन, छप्पर वाले घरों के स्थान पर पक्के आवास एवं रासायनिक उर्वरकों व कीट नाशकों का अत्यधिक प्रयोग जैसी गतिविधियों से आवास व भोजन में कमी होने के कारण गौरय्या का अस्तित्व संकट में पड़ गया। 14 से 16 सेमी. लम्बी गौरय्या मनुष्य के बनाये हुए घरों के आस–पास रहना पसन्द करती है। शहरी व ग्रामीण दोनों ही परिवेश में पाई जाने वाली गौरय्या को हर प्रकार की जलवायु पसन्द है। गौरय्या जमीन पर चलने के स्थान पर फुदकती है।

आवास की छत व आस–पास खुले स्थान पर गौरय्या के लिये भोजन व पीने व स्नान करने हेतु जल की व्यवस्था, कृत्रिम घोंसले स्थापित कर एवं प्राकृतिक रूप से घोंसले निर्मित करने के लिये अमरूद, नींबू जैसे फलदार पौध रोपित कर गौरय्या की संख्या में वृद्धि करने में सफल सिद्ध हो सकते हैं।

विश्व गौरय्या दिवस के अवसर पर अनुरोध है कि गौरय्या के लिए अनुकूल परिस्थितियॉ सृजित करने हेतु व्यक्तिगत स्तर पर प्रयास कर गौरय्या संरक्षण में सहयोगी व सहभागी बनें।

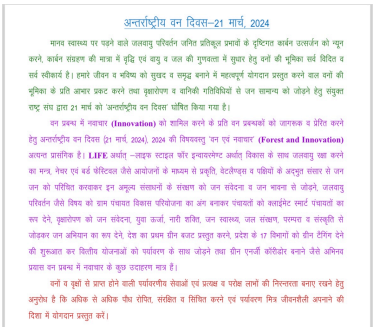

अन्तर्राष्ट्रीय वन दिवस–21 मार्च, 2024

मानव स्वास्थ्य पर पड़ने वाले जलवायु परिवर्तन जनित प्रतिकूल प्रभावों के दृष्टिगत कार्बन उत्सर्जन को न्यून करने, कार्बन संग्रहण की मात्रा में वृद्धि एवं वायु व जल की गुणवत्ता में सुधार हेतु वनों की भूमिका सर्व विदित व सर्व स्वीकार्य है। हमारे जीवन व भविष्य को सुखद व समृद्ध बनाने में महत्वपूर्ण योगदान प्रस्तुत करने वाल वनों की भूमिका के प्रति आभार प्रकट करने तथा वृक्षारोपण व वानिकी गतिविधियों से जन सामान्य को जोड़ने हेतु संयुक्त राष्ट्र संघ द्वारा 21 मार्च को 'अन्तर्राष्ट्रीय वन दिवस' घोषित किया गया है।

वन प्रबन्ध में नवाचार **(Innovation)** को शामिल करने के प्रति वन प्रबन्धकों को जागरूक व प्रेरित करने हेतु अन्तर्राष्ट्रीय वन दिवस (21 मार्च, 2024), 2024 की विषयवस्तु 'वन एवं नवाचार' **(Forest and Innovation)** अत्यन्त प्रासंगिक है। **LIFE** अर्थात् –लाइफ स्टाइल फॉर इन्वायरमेण्ट अर्थात् विकास के साथ जलवायु रक्षा करने का मन्त्र, नेचर एवं बर्ड फेस्टिवल जैसे आयोजनों के माध्यम से प्रकृति, वेटलैण्ड्स व पक्षियों के अद्भुत संसार से जन जन को परिचित करवाकर इन अमूल्य संसाधनों के संरक्षण को जन संवेदना व जन भावना से जोड़ने, जलवायु परिवर्तन जैसे विषय को ग्राम पंचायत विकास परियोजना का अंग बनाकर पंचायतों को क्लाईमेट स्मार्ट पंचायतों का रूप देने, वृक्षारोपण को जन संवेदना, युवा ऊर्जा, नारी शक्ति, जन स्वास्थ्य, जल संरक्षण, परम्परा व संस्कृति से जोड़कर जन अभियान का रूप देने, देश का प्रथम ग्रीन बजट प्रस्तुत करने, प्रदेश के 17 विभागों को ग्रीन टैगिंग देने की शुरूआत कर वित्तीय योजनाओं को पर्यावरण के साथ जोड़ने तथा ग्रीन एनर्जी कॉरीडोर बनाने जैसे अभिनव प्रयास वन प्रबन्ध में नवाचार के कुछ उदाहरण मात्र हैं।

वनों व वृक्षों से प्राप्त होने वाली पर्यावरणीय सेवाओं एवं प्रत्यक्ष व परोक्ष लाभों की निरन्तरता बनाए रखने हेतु अनुरोध है कि अधिक से अधिक पौध रोपित, संरक्षित व सिंचित करने एवं पर्यावरण मित्र जीवनशैली अपनाने की दिशा में योगदान प्रस्तुत करें।

For the conservation of biodiversity, all the heads of departments are directed to organise awareness programs on the above dates to create awareness among the students and staff.